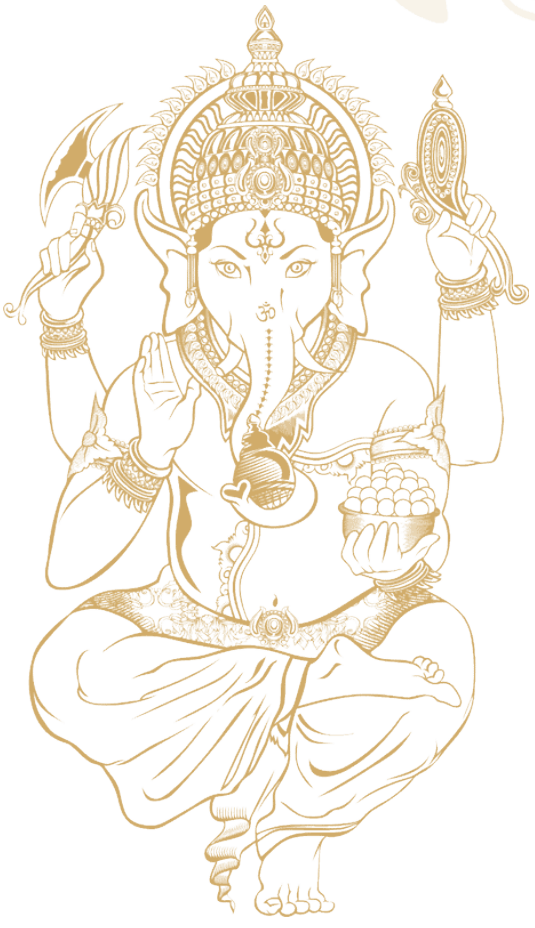

Mr.Anuj

Disha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119226703

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19-20/03/1998	जन्म तिथि	10/11/1997
गुरु-शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 01:47:00	जन्म समय	19:15:00 घंटे
घटी 48:13:43	जन्म समय(घटी)	31:25:28 घटी
India	देश	India
Alwar	स्थान	Hyderabad
27:32:00 उत्तर	अक्षांश	17:22:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व	रेखांश	78:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40	स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:29:30	सूर्योदय	06:18:55
18:34:33	सूर्यास्त	17:41:30
23:49:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:32

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 15वर्ष 2मा 0दि		10:45:13	धनु	लग्न	वृष	19:25:30	गुरु 4वर्ष 6मा 24दि	
शुक्र		05:11:29	मीन	सूर्य	तुला	24:22:33	बुध	
19/05/2020		18:06:13	वृश्चि	चंद्र	कुंभ	29:31:42	05/06/2021	
19/05/2040		17:51:24	मीन	मंगल	धनु	07:11:01	05/06/2038	
शुक्र	19/09/2023	23:35:23	मीन	बुध	वृश्चि	10:21:09	बुध	01/11/2023
सूर्य	18/09/2024	16:32:52	कुंभ	गुरु	मक	20:03:32	केतु	29/10/2024
चन्द्र	20/05/2026	18:58:27	मक	शुक्र	धनु	11:19:55	शुक्र	30/08/2027
मंगल	20/07/2027	26:26:23	मीन	शनि व	मीन	20:49:15	सूर्य	05/07/2028
राहु	20/07/2030	16:31:43	सिंह व	राहु व	सिंह	24:08:00	चन्द्र	04/12/2029
गुरु	20/03/2033	16:31:43	कुंभ व	केतु व	कुंभ	24:08:00	मंगल	02/12/2030
शनि	19/05/2036	17:33:00	मक	हर्ष	मक	11:13:22	राहु	20/06/2033
बुध	20/03/2039	07:46:21	मक	नेप	मक	03:38:51	गुरु	26/09/2035
केतु	19/05/2040	14:12:42	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	10:58:40	शनि	05/06/2038

लग्न-चलित

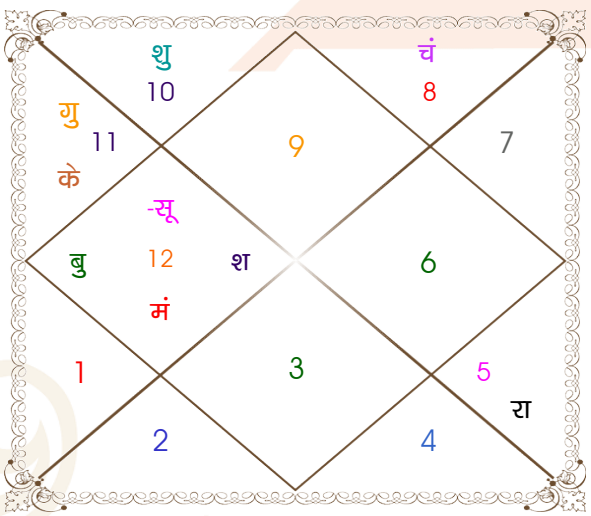

लग्न-चलित

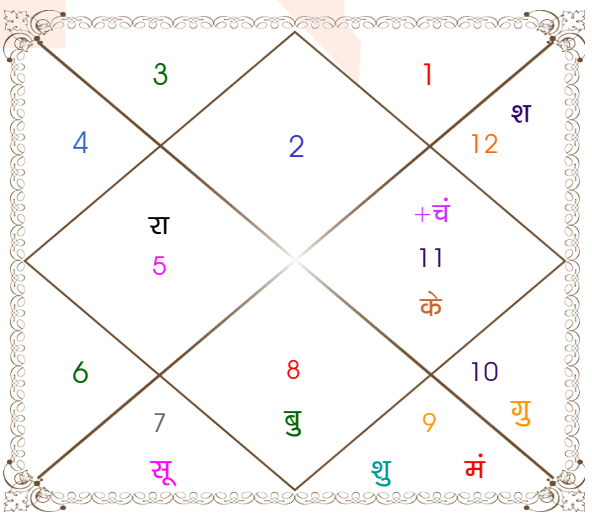

Jyotishacharya Rahul Dixit
Dixit Tower, Infront of AkashWani, Patan Road, Karmeta, Jabalpur (M.P.)
7415300300, 9329885341
Ptrahuldixit@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

डतण ।दनर का वर्ग सर्प है तथा क्पीं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।दनर और क्पीं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ।दनर मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

क्पीं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु क्पीं कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि क्पीं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण ।दनर तथा क्र्पों में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

Jyotishacharya Rahul Dixit
Dixit Tower, Infront of AkashWani, Patan Road, Karmeta, Jabalpur (M.P.)
7415300300, 9329885341
Ptrahuldixit@gmail.com